पत्रांक–.....5616..... न०वि०एवंआ०वि०

बिहार सरकार

नगर विकास एवं आवास विभाग

प्रेषक,

चैतन्य प्रसाद,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद्, दानापुर।

पटना, दिनांक ...23-8-16...

विषय :– **माह जुलाई 2016 की मासिक समीक्षा टिप्पणी के संबंध में।**

महाशय,

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा आपके कार्यों की मासिक समीक्षा की जा रही है। माह जुलाई तक प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा से निम्न तथ्य विदित होते हैं :–

1. **चतुर्थ राज्य वित्त आयोग** :–

(i) चतुर्थ राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.201 को आपके नगर निकाय में 198.83 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 198.83 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 140.05 लाख रूपये है, जो मात्र 70.44 प्रतिशत है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

2. **14वें वित्त आयोग** :– 14वें वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 217.58 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 217.58 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 32.31 लाख रूपये है जो की मात्र 6.60 प्रतिशत है । स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***निराशाजनक*** है।

3. **राज्य योजना** :–

(i) राज्य योजना अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 1686.58 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 1686.58 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 171.70 लाख रूपये है। जो की मात्र 10.18 प्रतिशत है ।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2016 को आपके यहाँ 11 योजनाएं लंबित थी। वर्ष 2016–17 में अब तक कोई भी योजना नही ली गयी है। इस प्रकार कुल कार्यरत 11 में से अभी तक 3 योजना पूर्ण हुई है । स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***निराशाजनक*** है।

4. <u>पंचम राज्य वित्त आयोग:-</u>

पंचम राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 684.46 लाख रूपये उपलब्ध थे | वर्ष 2016-17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए | कुल उपलब्ध 684.46 लाख रूपये संसाधनों से अद्यतन व्यय 0.00 लाख रूपये है, जो मात्र 0.00 प्रतिशत है| स्पष्टत: आपकी उपलब्धि अत्यंत ***निराशाजनक*** है।

5. <u>पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (BRGF)</u> :–

(i) पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 16.46 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 16.46 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 2.05 लाख रूपये है। जो की मात्र 12.45 प्रतिशत है |

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2016 को आपके यहाँ कोई भी योजना लंबित नहीं थी। वर्ष 2016–17 में अब तक कोई भी योजना नही ली गयी है। अतः उपलब्ध संसाधनो में से नयी योजनाओ का चयन करते हुए कार्यो का निष्पादन करें। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि अत्यंत निराशाजनक है|

6.<u>ठोस अवशिष्ट प्रबंधन</u> :–

(i) आपके शहर में कुल 40 वार्ड हैं, जिसमें से अभी तक 02 वार्डों में डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य नहीं हो रहा है।

(ii) सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यांत्रिकरण पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन वांछित संख्या में मशीनों का क्रय नहीं किया गया है। शहर में कार्यरत सफाई कर्मियों की ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमिट्रिक हाजिरी व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है, इसका अनुपालन अप्राप्त है। ठोस अवशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन एवं निष्पादन के लिए की जा रही कार्रवाई का प्रतिवेदन अपेक्षित है।

7.<u>मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान</u> :-

मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान योजना के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 231.45 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 231.45 लाख रूपये संसाधनों में से दूरभाष पर प्राप्त सूचना के अनुसार अद्यतन व्यय 109.00 लाख रूपये है।

8. <u>उपयोगिता प्रमाण पत्र</u> :– आपके निकाय के विरूद्ध वित्तीय वर्श 2003–04 से 2014–15 तक की अवधि में कुल 6907.08 लाख की राशि विभाग द्वारा आवंटित की गयी थी जिसके आलोक में अभी तक कुल 3587.51 लाख रूपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा की

गयी है और 2748.44 लाख की राशि अभी तक समायोजित के लिए लंबित हैं। अगले 7 दिनों के अंदर इसका समायोजन कराया जाय। (1) कुल 517.23 लाख की राशि का आवंटन दानापुर नगर परिषद् की जलापूर्ति परियोजना के लिए BUDA, Patna को हस्तांतरित की गयी है। (नगर निकाय पत्रांक 1340 दिनांक 06.11.14 द्वारा सूचनार्थ।) (2) एवं 0.15 लाख की e-governence की राशि की निकासी नहीं हुई है।(पत्रांक-48 दिनांक-05.01.2015) **(4) कुल 50.14 लाख की आवंटित राशि के विरुद्ध मात्र 0.14 लाख का ही आवंटन प्राप्त हुआ है।**

(5) कुल आवंटित 14.98 लाख की आलोक में सिर्फ 11.23 लाख की ही राशि प्राप्त हुई है (पत्रांक 135 दिनांक 15.01.15 द्वारा सूचनार्थ)।

9.<u>नगर सेवा प्रबंधन</u> :–

आपके शहर से संबंधित इस वित्तीय वर्ष में हेल्पलाईन के माध्यम से 177 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 98 का निराकरण किया गया हैं। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***असंतोषजनक*** है।

10.<u>होल्डिंग टैक्स</u> :– माह जुलाई 2016 का मासिक संग्रहण 35.11 लाख रूपये है, जो की वित्तीय वर्ष की औसत मासिक संग्रहण 13.47 लाख रूपये से 24.08 प्रतिशत अत्यधिक है। चालू वित्तीय वर्ष का वार्षिक औसत मासिक संग्रह 16.72 है । दिनांक 01.04.2016 को होल्डिंग की संख्या 30216 थी एवं अद्यतन तिथि तक 30629 होल्डिंग ही है। होल्डिंग का सर्वेक्षण करके अतिरिक्त होल्डिंग को होल्डिंग टैक्स के दायरे में लाने के लिए किये गये प्रयास जारी रहे।

11.<u>अन्य स्रोतों से कर</u> :– अन्य स्रोतों से कर वसूली 98.97 लाख रूपये है, जिसमें सुधार लाने का प्रयास करें।

12. **<u>स्वच्छ भारत मिशन</u>**_:–

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में दिए गए कुल लक्ष्य 486 एवं वित्तीय वर्ष 2016-17 में दिए गए कुल लक्ष्य 972 अर्थात कुल लक्ष्य 1458 के विरुद्ध आपके निकाय में अभी तक एक व्यक्तिगत , सामूहिक एवं Public Toilet नहीं बने हैं। इस पर जोर दिया जाय।

13. **<u>पी०एल०खाता</u>:-** दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय के पी० एल० खाते में 5196.60 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख राशि विमुक्त की गई है। इस प्रकार कुल उपलब्ध 5196.60 लाख की राशि में से 600.71 लाख मात्र राशि

का भुगतान किया गया है | शेष 4595.90 लाख की अव्यवहृत अंतिम राशि (Closing Balance) अभी भी मौजूद है जो अत्यंत ही बड़ी राशि है|

14.<u>लंबित अंकेक्षण :-</u>

आपके नगर निकाय के विरुद्ध निम्लिखित अंकेक्षण प्रतिवेदन लंबित है :-

अंकेक्षण प्रतिवेदन सं०	वर्ष	अनुपालन प्रतिवेदन की स्थिति
1136/2014-15	2012-13 से 2013-14	अप्राप्त

उपर्युक्त लंबित कंडिकाओ का निष्पादन अगले 7 दिनों के अंदर विभाग में जमा करें जिससे इसपर अग्रेतर कार्रवाई की जा सके |

निर्देश दिया जाता है कि इस मासिक समीक्षा टिप्पणी में अंकित तथ्यों पर लिखित अनुपालन प्रतिवेदन पत्र निर्गत होने के तीन सप्ताह के अंदर अनिवार्य रूप से विभाग को प्रेषित किया जाय। इस मासिक समीक्षा टिप्पणी को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड किया जा रहा है। साथ ही आपके द्वारा समर्पित किये जा रहे मासिक समीक्षा टिप्पणी का अनुपालन प्रतिवेदन भी वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

विश्वासभाजन

13/8/2015

(चैतन्य प्रसाद)

प्रधान सचिव।